THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD
MA(Hindi) I SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	**हिंदी साहित्य का इतिहास- आदिकाल से रीतिकाल तक** History of Hindi Literature : Adikal to Ritikal
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	a. Existing course without changes
Course code	PAPER : MAHINC - 501
Semester	I
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Wednesday & Thursday / 9.00 to 11.00 am Friday / 11.00 am to 01.00 pm
Name of the teacher/s	Prof. Shyamrao Rathod (SR) & Dr. Malobika(MB)
Course description	**Include the following in the course description** a) इस प्रश्नपत्र में साहित्य के कालों के नामकरण , विभाजन, सीमांकन और युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों का विश्लेषण कर छात्रों में साहित्य विवेक के साथ ही इतिहास विवेक की महत्ता को आधार प्रदान करना है। **b) उद्देश्य :** ● भाषा, साहित्य एवं इतिहास के अर्तसंबंधों पर विद्यार्थी की योग्यता को विकसित करना। ● साहित्येतिहास की समझ को विकसित करना । ● हिंदी साहित्य की परंम्परा, इतिहास और प्रतिनिधि कवियों से परिचित कराना। ● हिंदी साहित्य का इतिहास के महत्व से परिचय कराकर राष्ट्रीय बोध को विकसित कराना। ● छात्रों में साहित्येतिहास की समझ को विकसित करना है। **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● आदिकालीन एवं मध्यकालीन इतिहास की पृष्ठभूमि , उसके वैचारिक आधार और स्वरूप को जान सकेंगे। ● भाक्तिकालीन और रीतिकालीन साहित्येतिहास की प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे। ● हिन्दी साहित्य के विकास की गति और दिशा को रेखांकित करना है। ● आदिकाल से रीतिकाल तक के साहित्यिक विकास यात्रा को व्यवास्थित रूप से समझ सकेंगे। **इकाई-1** ■ साहित्य का इतिहास दर्शन(साहित्येतिहास) ■ हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा ■ हिंदी साहित्य के इतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ

	▪ हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन -और नामकरण **इकाई-2** ▪ हिंदी साहित्य का आदिकाल – नामकरण और काल-सीमा। ▪ सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, एवं अन्य रचनाओं का भाषिक एवं साहित्यिक वैशिष्ट्य। **इकाई-3** ▪ हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल – अवधारणा और काल-सीमा। ▪ भारत में भक्ति आंदोलन का उदय। ▪ भक्ति आंदोलन का स्वरूप, विस्तार एवं प्रभाव। ▪ भक्ति आन्दोलन का स्वरूप, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना, विभिन्न काव्यधाराएँ, उनका वैशिष्ट्य। ▪ निर्गुण और सगुणभक्त कवियों के दार्शनिक सिद्धांतों की व्याख्या। ▪ भक्तिकालीन साहित्य का प्रवृत्तिगत अध्ययन। ▪ भक्तिकालीन साहित्य का भाषिक वैशिष्ट्य। ▪ राम और कृष्ण काव्य, राम कृष्ण काव्येतर काव्य, भक्ति से अन्य प्रवृत्ति का काव्य। ▪ भक्तिकालीन गद्य साहित्य। **इकाई-4** ▪ हिंदी साहित्य का रीतिकाल – नामकरण और काल-सीमा। ▪ दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य। ▪ रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य की अवधारणा। ▪ रीतिकालीन साहित्य का भाषिक वैशिष्ट्य। ▪ रीतिकालीन साहित्यिक वैविध्य का विश्लेषण।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning ▪ साहित्य का इतिहास दर्शन(साहित्येतिहास) ▪ हिंदी साहित्य का आदिकाल – नामकरण और काल-सीमा। ▪ भारत में भक्ति आंदोलन का उदय। ▪ हिंदी साहित्य का रीतिकाल – नामकरण और काल-सीमा।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading : **संदर्भ ग्रंथ** ● हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ● हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ● हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

	• हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी Additional reading : **संदर्भ ग्रंथ** • हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी • हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह • हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा .डॉ • हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं .डॉनगेन्द्र . • हिन्दी साहित्य युग एवं प्रवृत्तियाँ : : शिवकुमार शर्मा • हिन्दी साहित्य का अतीत-भाग -1, 2 : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र • हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास४ भाग --५ : देवेंद्रनाथ शर्मा, दीनदयाल गुप्ता, विजयेन्द्र स्नातक • हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास ६ भाग - : डॉभागीरथ मिश्र . • हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका : शम्भूनाथ सिंह • रीतिकाव्य की भूमिका : नगेन्द्र .डॉ • हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे • हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास : विश्वनाथ त्रिपाठी

MA(Hindi) I SEMESTER : COURSE DESCRIPTION	
Course title	**प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य** **ANCIENT AND MEDIEVAL HINDI POETRY**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	b. Existing course without changes
Course code	PAPER : MAHIN 505
Semester	I
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Monday & Tuesday/ 09.00 am to 11.00 am
Name of the teacher/s	Guest Faculty (GF)
Course description	**Include the following in the course description** a) छात्र मध्य कालीन काव्यबोध-, युगीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में कवियों की संवेदना , उनकी सृजन भूमि एवं वर्तमान अर्थवत्ता और भाषिक वैशिष्ट्य से परिचित कराना। **b) उद्देश्य :** • विद्यार्थियों में मध्यकालीन काव्य दृष्टि को विकसित करना। • आदिकालीन, भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन कवियों के कविताओं का अध्ययन एवं युग बोध की समझ विकसित होगी।

	• पाठ्य कृतियों के संदर्भ में काव्य एवं लोक भाषा के आस्वादन और समीक्षा की क्षमता को बढ़ाना। • भक्ति कविता के अखिल भारतीय स्वरूप से परिचय कराकर राष्ट्रीय बोध विकसित करना। **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** • आदिकालीन भक्तिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि-, उसके वैचारिक आधार और स्वरूप को जान पाएंगे। • भक्तिकालीन प्रतिनिधि कवियों और उनके काव्य से परिचित होंगे। • पाठ्य कृतियों के संदर्भ में काव्य आस्वादन और समीक्षा की क्षमता को बढ़ा सकेंगे। • रीतिकालीन प्रतिनिधि कवियों और उनके काव्य से परिचित हो सकेंगे। • भक्तिकालीन और रीतिकालीन कविता की प्रासंगिकता से परिचित होगे। • संगीत चेतना और गायन कौशल हेतु प्रेरित करना। **इकाई -1** **आदिकालीन कविता** • सरहपा (राहुल सांकृत्ययान :संपादक) दोहा कोश -। • विद्यापति के गीत-कुल 5 पद…। **इकाई -2** **भक्तिकालीन कविता** • कबीर कबीर के परिशिष्ट में संकलित कुल) हजारी प्रसाद द्विवेदी की पुस्तक :10 पद एवं दोहे (। • सूरदाससं) भ्रमरगीत सार :. आचार्य रामचंद्र शुक्ल में संकलित कुल 5 पद(। • मलिक मोहम्मद जायसी :जायसी ग्रंथावलीसं). रामचंद्र शुक्ल(, नागमती वियोग, खंड तीन कड़वक, उपसंहार से दो कड़वक। • तुलसीदास रामचारित मानस के :उत्तरकाण्ड से 5 दोहे और चौपाई। • मीराबाई से (परशुराम चतुर्वेदी .सं) मीराबाई की पदावली :4 पद। **इकाई 3-** **रीतिकालीन कविता** • बिहारीलाल :बिहारी रत्नाकर (सं .जगन्नाथदास रत्नाकर) कुल दोहे 10। • घनानंदघनानंद कविता : (सं .विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) कुल पाँच पद।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : • सरहपा राहुल :संपादक) दोहा कोश -सांकृत्ययान(। • कबीर कबीर के परिशिष्ट में संकलित कुल) हजारी प्रसाद द्विवेदी की पुस्तक :10 पद एवं दोहे (। • बिहारीलाल :बिहारी रत्नाकर (सं .जगन्नाथदास रत्नाकर) कुल दोहे 10।

Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** 1. आदिकालीन काव्य : संवासुदेव सिंह ., विश्वविद्यालय, प्रकाशन वारणासी 2. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी 3. हिन्दी काव्य में निर्गुण संप्रदाय : पीताम्बर बड़थ्वाल 4. जायसी ग्रंथावली (भूमिका) : संरामचन्द्र शुक्ल . **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** 5. जायसी : विजयदेव नारायण साही 6. विद्यापति : शिवप्रसाद सिंह 7. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी 8. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी 9. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय 10. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल 11. बिहारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र 12. बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह 13. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी 14. महाकवि सूरदास : नंद दुलारे वाजपेयी 15. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ 16. घनानंद कवित्त : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र 17. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी 18. सनेह को मारग : इमरै बंगा 19. घनानंद : मनोहर लाल गौड 20. Mithila in the age of Vidyapati : Chaudhary Radhakrishna

MA(Hindi) I SEMESTER : COURSE DESCRIPTION	
Course title	**हिंदी कथा साहित्य :कहानी एवं उपन्यास** **HINDI FICTION: STORIES AND NOVEL**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	c. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : MAHINC 510
Semester	I
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Monday & Tuesday/ 11.00 am to 01.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Priyadarshini (PD)
Course description	**Include the following in the course description :** a) आधुनिक प्रेमचंद पूर्व युग से लेकर समकालीन हिंदी कहानी उपन्यास तक की परिवर्तनकारी/ यात्रा से अवगत कराना है। कहानी की लेखन

b) उद्देश्य :

- कथा सृष्टि के स्वरूप के समझ विकसित करना ।
- विद्यार्थी रचनात्मक लेखन की ओर प्रवृत्त हो सकेंगे ।
- कथा आस्वादन एवं समीक्षण से परिचित कराना ।
- उपन्यास तथा कहानी विधा के तात्विक स्वरूप से परिचित कराना ।
- उपन्यास तथा कहानी के ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित करना ।

c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :

- उपन्यास के तत्व, स्वरूप और विकास के बारे में जान पाएंगे ।
- कहानी के तत्व, स्वरूप और विकास को समझ पाएंगे ।
- चयनित उपन्यासों और कहानियों का आस्वादन और विश्लेषण कर सकेंगे ।
- कथा के माध्यम से लैंगिक समानता, पर्यावरण और मानवीय मूल्यों के प्रति सजग होंगे ।
- व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य में कथा साहित्य की भूमिका को समझ सकेंगे ।

इकाई-1

- हिंदी कथा साहित्य के विकास की पृष्ठभूमि ।
- हिंदी उपन्यास ।

इकाई-2

कहानी

- उसने कहा था चंद्रधर शर्मा गुलेरी -
- कफन प्रेमचंद -
- परिंदे निर्मल वर्मा -
- राजा निरबसिंया – कमलेश्वर
- तिरिया चरित्तर - शिवमूर्ति
- मोहनदास उदय -प्रकाश

इकाई-3

उपन्यास

- गोदान - प्रेमचंद
- शेखर एक जीवनी अज्ञेय -
- बाणभट्ट की आत्मकथा - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- मैला आँचल फणीश्वरनाथ रेणु -
- रागदरबारी श्रीलाल शुक्ल -

Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : ● हिंदी कथा साहित्य के विकास की पृष्ठभूमि । ● उसने कहा था चंद्रधर शर्मा गुलेरी - ● गोदान - प्रेमचंद
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** ● प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा ● कहानी नयी कहानी : नामवर सिंह ● हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया : परमानंद श्रीवास्तव ● समकालीन हिन्दी कहानी : पुष्पपाल सिंह ● कहानी स्वरूप एवं संवेदना : राजेंद्र यादव **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** ● हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपाल राय ● हिन्दी कहानी रचना और परिस्थिति : सुरेंद्र चौधरी ● साधारण की प्रतिज्ञा अंधेरे से साक्षात्कार : सुरेंद्र चौधरी ● समकालीन कहानी दिशा व दृष्टि : सं .धनंजय ● सिलसिला : मधुरेश ● नयी कहानी – संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी ● आज की हिन्दी कहानी : विजय मोहन सिंह ● तेईस हिन्दी कहानियाँ : सं .जैनेंद्र कुमार ● हिन्दी कहानी संग्रह : सं .भीष्म साहनी ● नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर

MA(Hindi) I SEMESTER : COURSE DESCRIPTION	
Course title	**हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम** **HINDI JOURNALISM AND MASS MEDIA**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	d. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : MAHINC 515
Semester	I
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Wednesday & Thursday / 11.00 am to 1.00 pm Friday / 09.00 am to11.00 am

Name of the teacher/s	Dr. Promila (PR)
Course description	**Include the following in the course description :** **a)** वर्तमान समय में हिंदी पत्रकारिता एवं प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक जनसंचार माध्यमों की शक्ति की पहचान के लिए इनके व्यवहारिक तथा तकनीकी पक्षों का बोध कराना है। **b) उद्देश्य :** ● विद्यार्थियों को भाषा और साहित्य के महत्व के प्रति जागरूक करना । ● जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की समझ को विकसित करना । ● जनसंचार माध्यमों के विकास की गति , दिशा, सामाजिक प्रभावों और उसमें पत्रकारिता के स्वरूप को रेखांकित करना। ● पत्रकारिता के विकास और महत्व से परिचित कराना । ● पत्रकारिता और मीडिया लेखन में सक्रिय भागीदारी हेतु सक्षम बनाना । ● पत्रप-त्रिकाओं हेतु सामग्री निर्माण , प्रूफ शोध, पृष्ठ सज्जा एवं संपादन कौशल विकसित करना । **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● पत्रकारिता के स्वरूप, महत्व, उसके प्रकार और आचार संहिता को समझ सकेंगे । ● हिंदी पत्रकारिता के उद्भव और विकास से परिचित होंगे । ● हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता, प्रमुख पत्रिकाओं और लघु पत्रिका आन्दोलन से परिचित हो सकेंगे । ● पत्रकारिता संबंधी लेखन, संकलन, प्रूफ शोध, पृष्ठ सज्जा एवं संपादन कौशल सीख सकेंगे। ● हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यमों में लेखन, भाषायी विशिष्टता की पहचान करते हुए इनसे जुड़े विभिन्न कानूनों और आचार संहिता की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे । **इकाई-1** ● पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार । ● विश्व पत्रकारिता का उदय । भारत में पत्रकारिता का आरंभ । ● हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास । ● समाचार पत्रकारिता के मूल तत्वसमाचार संकलन तथा - लेखन के मुख्य आयाम । **इकाई-2** ● संपादन कला के सामान्य सिद्धांत- शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया । ● समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना । ● दृश्य सामग्री कार्टून), रेखाचित्रकी व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता । (**इकाई-3** ● समाचार के विभिन्न स्रोत । ● संवाददाता की अर्हता,श्रेणी एवं कार्य पद्धति ।

	• पत्रकारिता से संबंधित लेखनसंपादकीय फीचर -, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार आदि की प्रविधि। **इकाई-4** • विभिन्न जनसंचार माध्यम। • इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता रेडियो -, टीवी, इंटरनेट की पत्रकारिता। • प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, लेआउट तथा पृष्ठ सज्जा। • पत्रकारिता का प्रबंधनप्रशासनिक व्यवस्था -, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था। **इकाई-5** • जनसंपर्क तथा विज्ञापन। • प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता। • लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : • पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। • समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना। • संवाददाता की अर्हता,श्रेणी एवं कार्य पद्धति। • विभिन्न जनसंचार माध्यम। • लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** • पत्रकार और पत्रकारिता प्रशिक्षण : अरविंद मोहन • समाचारअवधारणा और लेखन प्रक्रिया : : सुभाष धूलिया, आनंद प्रधान • समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला : डॉ. हरि मोहन • समाचार पत्र, मुद्रण और साज सज्जा : श्याम सुंदर शर्मा **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • संपादन कला : केनारायणन .पी. • समाचार संकलन और लेखन : डॉ नंदकिशोर त्रिखा • आधुनिक पत्रकारिता : डॉअर्जुन तिवारी . • हिंदी पत्रकारिता का वृहद इतिहास : डॉअर्जुन तिवारी . • भूमंडलीकरण और मीडिया : डॉकुमुद शर्मा . • हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम : वेद प्रताप वैदिक • हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका : जगदीश्वर चतुर्वेदी • हिंदी पत्रकारिता : कृष्ण बिहारी मिश्र • हिंदी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास : रमेश जैन • रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर • रेडियो प्रोडक्शन : रॉबर्ट मैक्लिश • पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य : राज किशोर

	• पत्रिका संपादन कला	:	रामचंद्र तिवारी
	• प्रेस विधि	:	नंदकिशोर त्रिखा
	• टेलीविजन प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रूप	:	रेमंड विलियम्स